अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 का आयोजन

मनोरंजन से योग जागरूकता । योग विशेषज्ञ का व्याख्यान

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अन्तर्गत पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (भारत), प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में योग प्रचार एवं जागरूकता निर्माण हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अखिलेश तिवारी, योग गुरू द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आरम्भ में सन्तोष शुक्ला, अधिशाषी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि योग मानव जीवन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में उन्होने कहा कि जब हम स्वस्थ रहेंगे तभी हमारा पर्यावरण भी स्वस्थ रहेगा। मुख्य अतिथि अखिलेश तिवारी ने सम्बोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होने सभी नागरिकों से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान करते हुए स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण में योगदान देने हेतु अनुरोध किया। योग जागरूकता हेतु कठपुतली प्रस्तुति, जादू प्रदर्शन के साथ ही एक प्रभावी नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक **''योग...कल से नहीं, आज से''**, का शानदार मंचन बैकस्टेज संस्था द्वारा किया गया। हास्य और गम्भीरता के मिले–जुले दृश्य से रचे गए इस नाटक में बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और जीवन के सन्तुलन का मार्ग है। स्वस्थ और सन्तुलित जीवन की शुरुआत किसी कल से नहीं, बल्कि आज से होती है। नाटक द्वारा दर्शकों को प्रेरित किया गया कि **''कल से''** की मानसिकता छोड़कर योग को **''आज से''** अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। गीत–संगीत, प्रभावशाली संवादों के इस नाटक में अमर सिंह, सतीश तिवारी, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, दिव्यन श्रीवास्तव ने प्रभावी अभिनय किया। गायन दिलीप श्रीवास्तव ने किया। प्रवीण शेखर द्वारा लिखित नाटक का निर्देशन अमर सिंह ने किया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ई.आर.सी., प्रयागराज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में दोनो संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने नियमित योग करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नासी, प्रयागराज की रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के अन्तर्गत योग संगम का आयोजन

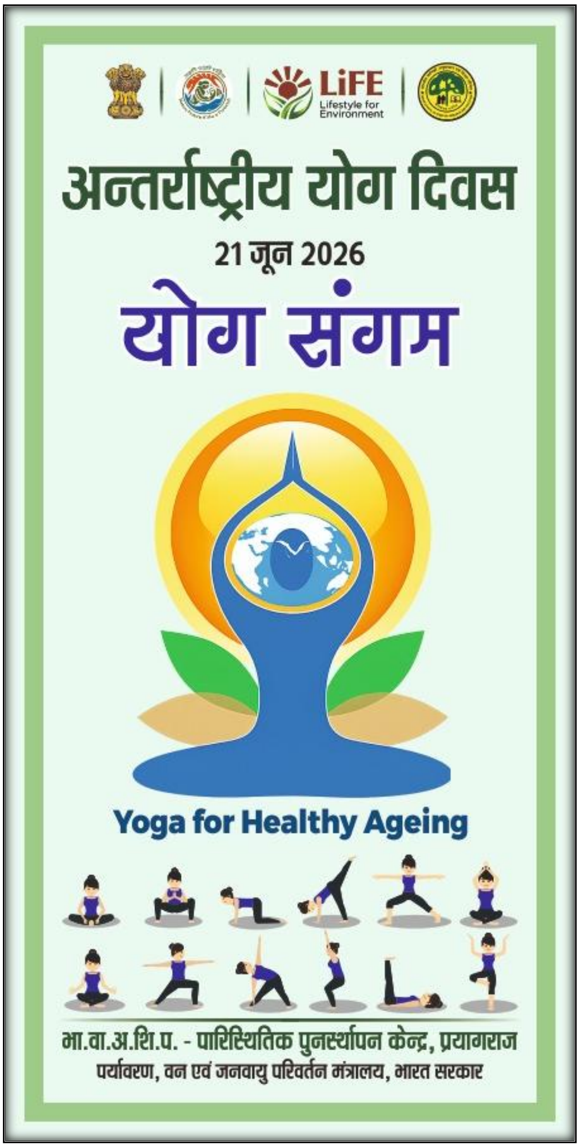

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर 21 जून, 2026 को प्रातः पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज परिसर में **''योग संगम''** का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ परियोजनाकर्मी एवं संविदाकर्मियों ने प्रशिक्षित योगाचार्य संगीता सिंह एवं अविनाश सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास किया। उपस्थित प्रतिभागियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम – विलोम, कपालभारती सहित अन्य योग क्रियाओं का सामूहिक अभ्यास किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास शारीरिक स्वास्थ्य के साथ – साथ मानसिक सन्तुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

21 जून 2026
योग संगम

21 जून 2026
योग संगम

21 जून 2026
योग संगम
ICFRE-ERC PRAYAGRAJ

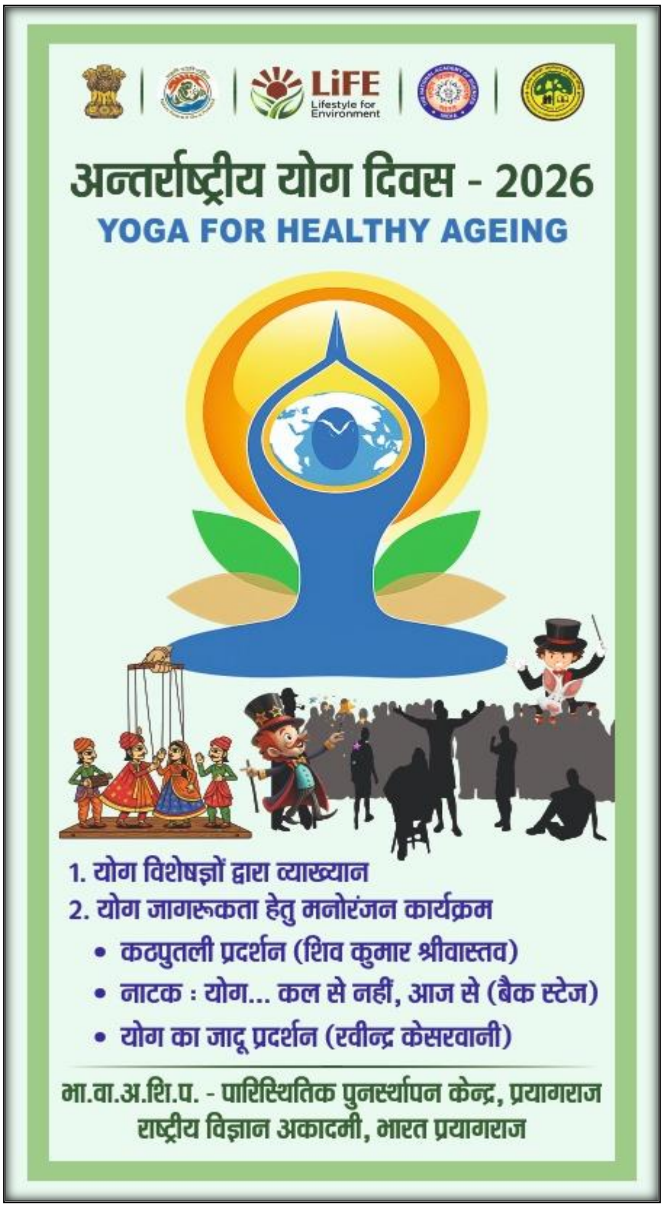
LiFE
Lifestyle for Environment
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2026
YOGA FOR HEALTHY AGEING
1. योग विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान
2. योग जागरूकता हेतु मनोरंजन कार्यक्रम
• कठपुतली प्रदर्शन (शिव कुमार श्रीवास्तव)
• नाटक : योग... कल से नहीं, आज से (बैक स्टेज)
• योग का जादू प्रदर्शन (रवीन्द्र केसरवानी)
भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत प्रयागराज

(शिव कुमार श्रीवास्तव)
THE NATION

(शिव कुमार श्रीवास्तव)
नाटक : योग... कल से नहीं,
THE NATIONA

दिवस - 2026
HY AGEING
1. योग विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान
2. योग जागरूकता हेतु मनोरंजन कार्यक्रम
BE BUZZY SMILE

योग संगम
PLEDGE
PARYAVARAN PARV
Inspired by Nature.
For Climate.
For Our Future
WORLD ENVIRONMENT
DAY 2026
5 June 2026
ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE
PRAYAGRAJ

LiFE
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
21 जून 2026

21 जून 2026
योग संगम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रभावी नाटक

➔ बैकस्टेज का नाटक 'योग कल से नहीं... आज से'

➔ असरदार अभिनय, संवाद, गीत से मनोरंजन और सीख

सहजसत्ता संवाददाता

प्रयागराज। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वावधान में नासी प्रेक्षागृह में योग प्रचार एवं जागरूकता प्रभावी नाटक 'योग... कल से नहीं, आज से', का शानदार मंचन बैकस्टेज संस्था की तरफ से किया गया। हास्य और गम्भीरता के मिले-जुले दृश्य से रचे गए इस नाटक में बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और जीवन के सन्तुलन का मार्ग है। स्वस्थ और संतुलित जीवन की शुरुआत किसी कल से नहीं, बल्कि आज से होती है। नाटक दर्शकों को प्रेरित करता है कि वे 'कल से' की मानसिकता छोड़कर योग को 'आज से' अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। गीत संगीत, प्रभावशाली संवादों के इस नाटक में अमर सिंह, सतीश तिवारी, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, दिव्यन श्रीवास्तव ने असरदार अभिनय किया। गायन दिलीप श्रीवास्तव ने किया। प्रवीण शेखर द्वारा लिखित नाटक का निर्देशन अमर सिंह, प्रवीण शेखर ने किया। अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव संतोष शुक्ला आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने सहभागिता की।

मनोरंजन से योग जागरूकता : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अन्तर्गत पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वावधान में नासी परिसर में योग प्रचार एवं जागरूकता निर्माण हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अखिलेश तिवारी, योग गुरु द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आरम्भ में सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव, नासी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहाँ कि योग मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जब हम स्वस्थ रहेंगे तभी पर्यावरण स्वस्थ रहेगा। अखिलेश तिवारी ने अपने सम्बोध में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होने सभी नागरिकों से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान करते हुए स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। योग जागरूकता हेतु कठपुतली, जादू प्रदर्शन के साथ ही एक प्रभावी नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक 'योग... कल से नहीं, आज से', का' शानदार मंचन बैकस्टेज संस्था की तरफ से किया गया। हास्य और गम्भीरता के मिले-जुले दृश्य से रचे गए इस नाटक में बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और जीवन के सन्तुलन का मार्ग है। स्वस्थ और संतुलित जीवन की शुरुआत किसी कल से नहीं, बल्कि आज से होती है। नाटक दर्शकों को प्रेरित करता है कि वे 'कल से' की मानसिकता छोड़कर योग को 'आज से' अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। गीत संगीत, प्रभावशाली संवादों के इस नाटक में अमर सिंह, सतीश तिवारी, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल, दिव्यन श्रीवास्तव ने असरदार अभिनय किया। गायन दिलीप श्रीवास्तव ने किया। प्रवीण शेखर द्वारा लिखित नाटक का निर्देशन अमर सिंह, प्रवीण शेखर ने किया। कार्यक्रम के अन्त में वरिष्ठ वैज्ञानिक, आलोक, ई.आर.सी. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गय।। दोनों संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने नियमित योग करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नासी, प्रयागराज की रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया। इसके पूर्व प्रातः काल में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज परिसर में योग संगम का आयोजन किया गया। इसके पूर्व प्रातः काल में ई.आर.सी. प्रयागराज परिसर में योग संगम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षित योगाचार्य संगीता सिंह एवं अविनाश सिंह द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम - विलोम, कपालभारती सहित अन्य योग क्रियाओं का सामूहिक अभ्यास किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि नियमित योगाभ्यास शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए आवश्यक है।

मानव जीवन के लिए योग महत्वपूर्ण : डॉ. संजय

प्रयागराज, संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज व राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत सरकार की ओर से केंद्र के परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अखिलेश तिवारी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि योग मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब हम स्वस्थ रहेंगे तभी पर्यावरण स्वस्थ रहेगा।

योग जागरूकता के लिए कठपुतली, जादू प्रदर्शन के साथ ही बैकस्टेज नाट्य संस्था के कलाकारों ने 'योग कल से नहीं आज से' शीर्षक से नाटक का मंचन किया। जिसका निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी प्रवीण शेखर ने किया। प्रस्तुति

के जरिए अमर सिंह, सतीश तिवारी, दिलीप श्रीवास्तव, चाहत जायसवाल व दिव्यन श्रीवास्तव के अभिनय को दर्शकों की खूब वाहवाही मिली। योगाचार्य संगीता सिंह व अविनाश सिंह ने प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन व कपाल भारती सहित कई योग क्रियाओं का सामूहिक अभ्यास कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन रश्मि मिश्रा का रहा।

Yoga Awareness via Entertainment: Yoga Practices, Expert Lectures

International Yoga Day-2026 celebrated in a grand manner

Staff Reporter

Prayagraj: In celebration of International Yoga Day, a program was organized at the NASI campus, jointly with the Center for Ecological Restoration and the National Academy of Sciences, India, to promote and raise awareness about yoga. The program began with the lighting of a lamp by Chief Guest Akhilesh Tiwari, Yoga Guru. The program began with a welcome address by Santosh Shukla, Executive Secretary, NASI. Center Head Dr. Sanjay Singh delivered his address, stating that yoga is crucial for human life. He also emphasized that the environment will remain healthy only when we are healthy. Akhilesh Tiwari stated that yoga is India's ancient cultural heritage, which is being adopted worldwide today. He urged all citizens to incorporate yoga into their daily lives and contribute to building a healthy and disease-free society. A puppet show, magic show, and an impressive play titled "Yoga... Not from tomorrow, but from today" were presented, which was brilliantly staged by the Backstage organization. This play, a blend of humor and seriousness, demonstrated that yoga is not just physical exercise but a path to balance between body, mind, and life. A healthy and balanced life begins not tomorrow, but today. The play inspires audiences to abandon the "tomorrow" mindset and embrace yoga as a part of their lives today. This play, filled with songs, music, and powerful dialogues, featured powerful performances by Amar Singh, Satish Tiwari, Dilip Srivastava, Chahat Jaiswal, and Divyan Srivastava. The song was sung by Dilip Srivastava. Written by Praveen Shekhar, the play was directed by Amar Singh and Praveen Shekhar. At the end of the program, a vote of thanks was given by Alok, Senior Scientist, ERC. Officials and staff from both institutions, as well as students and teachers from other institutions, representatives from social organizations, and ordinary citizens participated enthusiastically. All those present pledged to practice yoga regularly and inspire others to do the same. The program was successfully conducted by Rashmi Mishra of NASI, Prayagraj. Earlier in the morning, Yoga Sangam was organized at Ecological Restoration Centre, Prayagraj campus. Earlier in the morning, Yoga Sangam was organized at ERC Prayagraj campus, in which trained yoga teachers Sangeeta Singh and Avinash Singh made the participants practice various yoga postures, pranayama and meditation techniques. The officers and employees present collectively practiced Tadasana, Vrikshasana, Bhujangasana, Vajrasana, Anulom-Vilom, Kapalbhati and other yoga activities. Centre head Dr. Sanjay Singh said that regular yoga practice is very important for physical health as well as mental balance and positive lifestyle.